सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन पेज: 7

फिल्म 'आखिरी सवालइ का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 50 | शुक्रवार 22 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण', राहुल गांधी के 'गद्दार' वाले बयान पर नितिन गडकरी का तीखा पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गद्दार वाली टिप्पणी की बुधवार को कड़ी निंदा की और इसे बेहद शर्मनाक करार दिया। गडकरी ने कहा कि लोग कांग्रेस की नफरत की राजनीति का करारा जवाब देंगे। राहुल ने बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए उन्हें गद्दार कहा। गडकरी ने राहुल की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए राहुल गांधी की ओर से की गई टिप्पणी बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह उनकी अराजक मानसिकता को दशार्ती है। उन्होंने लिखा, राजनीति में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक हैं

मोदी कैबिनेट की बड़ी बैठक : सभी मंत्रियों को दिल्ली में रहने का निर्देश, फेरबदल की अटकलें और ग्लोबल संकट पर होगी चर्चा

जिसमें कई बड़े नीतिगत और राजनीतिक फैसले लिए जा सकते...

प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे से लौटने के तुरंत बाद हो रही इस बैठक को बेहद रणनीतिक माना जा रहा है, जिसमें कई बड़े नीतिगत और राजनीतिक फैसले लिए जा सकते हैं। उम्मीद है कि इसमें सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और राज्य मंत्री शामिल होंगे।

नई दिल्ली एजेंसी: देश के भीतर जारी तेज राजनीतिक और आर्थिक हलचलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी गुरुवार शाम 4 बजे दिल्ली के 'सेवा तीर्थ' में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की एक बेहद महत्वपूर्ण और आपात बैठक बुलाई है। सरकार के शीर्ष नेतृत्व ने इस बैठक की गंभीरता को देखते हुए सभी केंद्रीय मंत्रियों, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्रियों को अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ही मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे से लौटने के तुरंत बाद हो रही इस बैठक को बेहद रणनीतिक माना जा रहा है, जिसमें कई बड़े नीतिगत और राजनीतिक फैसले लिए जा सकते हैं। उम्मीद है कि इसमें सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और राज्य मंत्री शामिल होंगे। बातचीत में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की संभावना 'इंडिया टुडे' को मिली जानकारी के अनुसार, चर्चा के दौरान पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और भारत पर इसके संभावित आर्थिक असर का मुद्दा उठने की उम्मीद है। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, सरकार तेल की कीमतों, ईंधन आपूर्ति श्रृंखलाओं और महंगाई से जुड़ी चिंताओं पर बारीकी से नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरे से लौटने के बाद बदलती हुई स्थिति की समीक्षा करेंगे। सरकार ने इस संकट पर नजर रखने और भारत को किसी भी तरह की बाधा से बचाने के उपाय सुझाने के लिए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई में मंत्रियों का एक उच्च-स्तरीय अनौपचारिक समूह पहले ही गठित कर दिया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण और हरदीप सिंह पुरी इस समूह का हिस्सा हैं। राजनाथ सिंह ने हाल ही में कहा था कि सरकार स्थिति पर "चौबीसों घंटे नजर" रख रही है। सिंह ने कहा था, "चाहे कच्चा तेल हो, ऊर्जा हो या फिर छढऋ आज भी हमारे पास इनका पर्याप्त भंडार है। कोई खास दिक्कत नहीं है।" मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें जारी 10 जून को मोदी 3.0 सरकार की पहली वर्षगांठ से पहले, मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार और फेरबदल को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच, इस बैठक का राजनीतिक महत्व भी बढ़ गया है। पिछले हफ्ते, सरकारी सूत्रों ने संकेत दिया था कि मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार को लेकर चर्चाएँ तेज हो गई हैं, और जून के दूसरे हफ्ते में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बदलाव हो सकते हैं। सूत्रों ने यह भी बताया था कि किसी भी संभावित फेरबदल से पहले, सरकार का शीर्ष नेतृत्व विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज और संगठनात्मक कार्यप्रणाली की समीक्षा कर रहा है।

यूपी में हीटवेव का कहर, योगी सरकार एक्शन मोड में, जनता को राहत देने के कड़े निर्देश जारी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में सतर्क रहने को कहा। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार, जिला मजिस्ट्रेट, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और राहत एजेंसियों को उच्च सतर्कता बरतनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश में कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है और सरकारी अस्पतालों में लू लगने से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देशों में जनता से लू से बचाव के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने आदेश में कहा कि बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें, सूती या खादी के ढीले-ढाले कपड़े पहनें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी ऐसी लापरवाही भरी हरकत में शामिल न हों जिससे आग लगने का खतरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को कर्मचारियों को थकान, निर्जलीकरण और लू से बचाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू चलने की आशंका है। राज्य भर में भीषण गर्मी के बीच बांदा में तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे यह देश का सबसे गर्म स्थान बन गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार दोपहर को राज्य के कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। झांसी में 44.6 डिग्री सेल्सियस, प्रयागराज में 44.5 डिग्री सेल्सियस, हमीरपुर में 44.2 डिग्री, ओराई में 43.8 डिग्री, सुल्तानपुर में 43.3 डिग्री और वाराणसी (भुवन वर्ष) में 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि राज्य भर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर लू चलने की प्रबल संभावना है। रविवार को जारी मौसम चेतावनी में कहा गया है कि प्रयागराज, गाजीपुर, ओराई और आगरा में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा, जबकि इटावा और मेरठ में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा।

ममता बनर्जी की सबसे बड़ी राजनीतिक हार? भवानीपुर सीट ही नहीं, अपना होम वार्ड भी गंवाया

बंगाल: पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा देने वाले एक रोमांचक चुनावी उलटफेर में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अब मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को न केवल भाबनीपुर सीट पर, बल्कि उनके निवास स्थान वाले वार्ड में भी करारी शिकस्त दी। इस उलटफेर को राज्य की हालिया राजनीति के सबसे प्रतीकात्मक मोड़ों में से एक माना जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बूथ-स्तरीय आंकड़ों से इस निर्णायक परिणाम की व्यापकता स्पष्ट होती है। भाबनीपुर को तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माने जाने के बावजूद, इन आंकड़ों ने अनुभवी राजनीतिक विश्लेषकों को भी चौंका दिया है। सबसे चौंकाने वाला नतीजा वार्ड 73 से सामने आया, जिसमें कोलकाता के कालीघाट में बनर्जी के आवास के आसपास का इलाका शामिल है। यहां अधिकारी को 8,932 वोट मिले, जबकि बनर्जी को 4,284 वोट ही मिल सके, जो उनके अपने ही इलाके में मतदाताओं की भावना में आए महत्वपूर्ण बदलाव को दशार्ता है। पूरे निर्वाचन क्षेत्र में, अधिकारी ने 267 में से 207 मतदान केंद्रों पर जीत हासिल की और कुल वोटों का लगभग 63 प्रतिशत प्राप्त किया। बनर्जी का वोट शेयर लगभग 30 प्रतिशत रहा, जो उस सीट पर एक दुर्लभ हार है जिस पर कभी उनका पूर्ण वर्चस्व था। बूथ के आंकड़े तृणमूल कांग्रेस प्रमुख की करारी हार को और भी स्पष्ट करते हैं। बूथ 14 में उन्हें मात्र 43 वोट, बूथ 16 में 42 वोट, बूथ 20 में 41 वोट और बूथ 105 में मुश्किल से 31 वोट मिले। कई अन्य बूथों में भी इसी तरह के कम वोट देखने को मिले, जो उनके खिलाफ अभूतपूर्व उलटफेर का चित्र प्रस्तुत करते हैं। 2021 के उपचुनाव की तुलना में यह उलटफेर विशेष रूप से नाटकीय है, जब नंदीग्राम से हार के बाद भाबानीपुर से चुनाव लड़ रही बनर्जी ने आसानी से निर्वाचन क्षेत्र के सभी सात वार्डों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इस बार अधिकारी ने पार्टी की सबसे सुरक्षित शहरी सीटों में से एक पर पकड़ को ध्वस्त कर दिया। अंतिम मतगणना में बनर्जी को 58,812 वोट मिले, जबकि अधिकारी ने 73,000 का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे उन्हें 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत मिली।

पीएम मोदी को अर्थव्यवस्था पर नए ज्ञान की जरूरत, कांग्रेस का सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही ज्ञान के बल पर चुनाव जीत रहे हों लेकिन आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें नए ज्ञान की आवश्यकता है। संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का नजरिया इतना नकारात्मक हो गया है कि मोदी सरकार के पेशेवर समर्थक भी अपनी चिंताओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास के अनुमान काफी कम हो गए हैं। जयराम रमेश ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का इतना गंभीर कुप्रबंधन हुआ है कि प्रधानमंत्री ने अब उपभोक्ताओं से उपभोग कम करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इन चिंताओं में कुछ भी नया नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन्हें कुछ समय से उठा रही है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सुस्त निवेश माहौल से संबंधित है। प्रधानमंत्री द्वारा इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को टॉफियां भेंट करने का जिक्र करते हुए रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री टॉफियां बांटने और जनता से धार्मिक अपील करने में व्यस्त हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के पैरों तले जमीन खिसक रही है। हमें आर्थिक नीति-निर्माण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है, लेकिन मोदी सरकार के पास हमेशा की तरह आत्म-प्रशंसा के सिवा कोई नया विचार नहीं है। कांग्रेस नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ज्ञानेश के माध्यम से चुनाव करा रहे हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था के लिए एक नए ज्ञान की तत्काल आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि निजी निवेश की दर में महत्वपूर्ण वृद्धि के बिना आर्थिक विकास को उच्च स्तर पर गति देना और उसे बनाए रखना संभव नहीं है, जबकि वास्तव में ऐसा होना ही चाहिए।

संजय राउत का दोहरा हमला: राहुल गांधी का किया बचाव, पहलगाम पर केंद्र से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: शिवसेना यूबीटी राज्यसभा सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के "गद्दार" वाले बयान पर भाजपा द्वारा उन पर निशाना साधने के बाद उनका बचाव किया। भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए राउत ने कहा कि भाजपा हमेशा आक्रामक रहती है। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। वे सोच-समझकर बोलते हैं। वे राजीव गांधी के पुत्र और इंदिरा गांधी के पोते हैं। यह एक परंपरा है। इस तरह की भाषा का प्रयोग केवल राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि देश के अन्य नेता भी कर रहे हैं। भाजपा और आरएसएस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि लोग इस तरह की भाषा का प्रयोग क्यों कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के मामले में एनआईए की चार्जशीट पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने पाकिस्तान स्थित लश्कर आतंकवादी लांगड़ा को हमले का मुख्य साजिशकर्ता बताए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लांगड़ा अब कहां है? वह पाकिस्तान में है, है ना? तो उसे यहां लाओ। आपने पहलगाम में अपराधियों को मारने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। देश चाहता है कि लांगड़ा और तंगरा को फांसी दी जाए। तभी ऐसा होगा। प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक पर टिप्पणी करते हुए राउत ने कहा कि देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। चीन और भारत एशिया के दो बड़े देश हैं। अब जब मोदी जी इटली से लौट आए हैं, तो ऐसा लगता है कि भारत की स्थिति में सुधार होगा। वे किसी कारणवश कोई मंत्र लेकर आए होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत खराब है।

राहुल गांधी पर भड़के शिवराज सिंह चौहान, पीएम मोदी का अपमान जनता माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी भाषा घटिया मानसिकता को दशार्ती है और जनता इसे माफ नहीं करेगी। हैदराबाद में बोलते हुए चौहान ने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है जिसे पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है। भारत के प्रधानमंत्री, जिन्हें पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और जिन्हें कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं, उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन ऐसी भाषा का प्रयोग कभी नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया उनके नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है और देश उनके साथ खड़ा है। इस बीच, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को दिए गए उपहार को लेकर की गई आलोचना के लिए निशाना साधा। हैदराबाद में बोलते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने प्रधानमंत्री के इस कदम का बचाव करते हुए उपहारों के आदान-प्रदान को राजनयिक संबंधों में एक सामान्य प्रक्रिया बताया। राव ने कहा कि राजनयिक संबंधों में उपहारों का आदान-प्रदान एक सामान्य प्रक्रिया है। मुझे नहीं पता कि राहुल गांधी को इटली के प्रधानमंत्री को टॉफी भेंट करने में विवाद क्यों दिख रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी राजनयिक और व्यापारिक संबंधों को बेहतर बनाने गए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए उपहार का राजनीतिकरण करना राहुल गांधी की घोर गैरजिम्मेदाराना हरकत है। राव ने कांग्रेस नेता को ऐसी टिप्पणियों से बचने और अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

पता लगाना और निर्वासन नीति लाई सुवेंदु अधिकारी सरकार, बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर खदेड़ने के लिए बीएसएफ को सौंपेगी

नबान्न में वरिष्ठ सीमा सुरक्षा बल अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य पुलिस द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ को सौंपा जाएगा और उसके बाद उन्हें देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी।

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल में नई सरकार के सत्ता संभालते ही जिस निर्णायक और कठोर कार्रवाई की शुरूआत हुई है, उसने साफ कर दिया है कि अब सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, तस्करी और अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जिस आक्रामक अंदाज में ह्रपता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करोह्र नीति लागू करने की घोषणा की है, उसने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि अब घुसपैठियों की खैर नहीं है। नबान्न में वरिष्ठ सीमा सुरक्षा बल अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य पुलिस द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ को सौंपा जाएगा और उसके बाद उन्हें देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 14 मई को ही इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र भेजा था, लेकिन पिछली सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण इस महत्वपूर्ण प्रावधान को लागू नहीं किया। अब नई सरकार ने इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम यानि सीएए के तहत आने वाले समुदायों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के वे लोग जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं, उन्हें कानून के तहत सुरक्षा दी जाएगी। लेकिन जो लोग इस दायरे में नहीं आते, उन्हें घुसपैठिया माना जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। राज्य पुलिस ऐसे लोगों को हिरासत में लेकर सीधे बीएसएफ को सौंप देगी। इसके बाद बीएसएफ, बांग्लादेश सीमा बल के साथ समन्वय कर निर्वासन की प्रक्रिया पूरी करेगी। देखा जाये तो शुभेंदु अधिकारी का यह फैसला बंगाल की सुरक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन माना जा रहा है। वर्षों से खुली सीमाओं के कारण सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ, मवेशी तस्करी, अवैध कारोबार और अपराध लगातार बढ़ते रहे। स्थानीय लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर थे। लेकिन अब नई सरकार ने साफ कर दिया है कि सीमाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पश्चिम बंगाल सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 27 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में बाड़ लगाने हेतु भूमि बीएसएफ को सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल शुरूआत है और आने वाले दिनों में सीमा सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। देखा जाए तो शुभेन्दु सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में इस संबंध में फैसला लेकर यह साबित कर दिया कि वह केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीन पर कार्रवाई करने में विश्वास रखती है। जानकारी के अनुसार, पांच जिलों में फैली 43 एकड़ खरीदी गई भूमि तथा लगभग 31.9 एकड़ निहित भूमि के स्वीकृति आदेश बीएसएफ को सौंपे गए हैं। बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार और बीएसएफ के बीच अब बेहतर समन्वय दिखाई दे रहा है। यह बदलाव सीमा सुरक्षा को और मजबूत करेगा। हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश के साथ लगभग 2217 किलोमीटर लंबी है। इसमें करीब 1600 किलोमीटर क्षेत्र में पहले ही बाड़ लग चुकी है

संपादकीय

बीमार अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है।

चिंतन-मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस ह्यवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्न विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरूआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है। आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्त्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

नीरज कुमार दुबे

मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा।

शुरूआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

इस हिंसा में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया और निर्मल नगर पुलिस थाने में गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। घायलों का उपचार भाभा अस्पताल और वीएन देसाई अस्पताल में कराया गया। एक पुलिसकर्मी और एक प्रदर्शनकारी को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, हालांकि दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने चेतावनी दी है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर कुछ निवासियों ने दावा किया कि वह कई दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा बिजली कनेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर खाली करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ईद से ठीक पहले की गई कार्रवाई ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हालांकि इन दावों और मानवीय पक्ष के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अवैध कब्जों के खिलाफ हर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं क्यों सामने आती हैं? चाहे देश का कोई भी राज्य हो, अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन पर हमला करना अब एक तयशुदा रणनीति जैसा दिखाई देता है। इससे साफ है कि कुछ तत्व कानून व्यवस्था को बिगाड़कर सरकारी कार्रवाई को रोकना चाहते हैं। मुंबई जैसे संवेदनशील और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की हिंसा न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती भी है।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश... वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार धारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से ह्यनई तमिल राजनीतिह्न भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों/शिक्षिकाओं एवं शिक्षामित्रों को प्रतिकर अवकाश दिलाएं जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों एवं शिक्षा मित्रों ने प्रतिकर अवकाश की मांग को लेकर एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी हसनपुर को सौंपा और मांग कि है की शासन के निदेर्शानुसार वर्तमान में राष्ट्रीय जनगणना 2027 का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य गतिमान है। इस राष्ट्रीय कार्य को शुचितापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत भारी संख्या में शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं शिक्षामित्रों की ड्यूटियाँ प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के रूप में लगाई गई हैं। इस सम्बंध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक इकाई गंगेश्वरी आपसे विनम्र अनुरोध करता है कि राष्ट्रहित में बिना किसी अवकाश के निरंतर कार्य कर रहे समस्त शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं शिक्षामित्रों को उनके द्वारा अवकाश के दिनों में किए गए कार्य के बदले नियमानुसार 'प्रतिकर अवकाश' स्वीकृत करने हेतु संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी/सक्षम अधिकारी को निर्देशित करने की कृपा करें। आपके इस सहानुभूतिपूर्ण निर्णय से शिक्षक समुदाय में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और सभी कर्मचारी एवं शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को पूर्ण करेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक संयुक्त मंत्री महताबउद्दीन आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला मंत्री राजपाल राणा,जसवंत सिंह,अनिल कुमार ,सोनू प्रकाश,दयाल सिंह,विजयपाल सिंह, इन्द्रपाल सिंह,दारा सिंह,फहीम अहमद, रहीस अहमद, रूप सिंह, दीपक भोला, प्रीति अग्रवाल,पूनम रानी, अंशुल रानी,चंचल सिंह, आशा,सोनम भारती आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बार एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ की गई वार्ता

अमरोहा (सब का सपना):- शासन स्तर से प्राप्त निदेर्शों के क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी अमरोहा नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा जनपद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के साथ वार्ता की गई। वार्ता के दौरान न्यायिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित रखने, आमजन को होने वाली असुविधा से बचाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत बार एसोसिएशन से हड़ताल आदि से दूर रहकर सकारात्मक सहयोग प्रदान करने की अपील की गई। अधिकारियों द्वारा आपसी समन्वय, संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर बल देते हुए कहा गया कि जनहित सर्वोपरि है तथा सभी पक्षों के सहयोग से न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से संपन्न कराए जाएंगे। बैठक के दौरान बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा भी सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया गया।

मंडी धनौरा में हाईवोल्टेज लाईन का तार सड़क पर टूटकर गिरा,लगी आग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में हाई वोल्टेज लाइन का तार अचानक टूट कर सड़क पर गिर गया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना गुरुवार की सुबह करीब 7:00 बजे के आसपास हुई, जिस समय 11000 वोल्ट की हाई वोल्टेज विद्युत लाइन का तार टूटकर अचानक सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई राहगीर या वाहन लाइन के नीचे नहीं था वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। बता दें कि यह घटना मंडी धनौरा के शेरपुर चुंगी चौराहे पर घटित हुई। जहां 11000 की हाई वोल्टेज लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिर गया।।तार गिरने के बाद सड़क किनारे लगे एक सूखे पेड़ में आग लग गई। देखते ही देखते पेड़ धू-धूकर जलने लगा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पेड़ के पास स्थित खोखे और अस्थाई दुकानदारों में हड़कंप मच गया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों ने बिजलीघर को सूचना दी, जिसके बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। बिजली कटते ही स्थानीय नागरिकों और खोखे मालिकों ने बाल्टियों में पानी भरकर आग पर काबू पाया।विद्युत विभाग के एसडीओ राजन सिंह ने बताया कि अत्यधिक ओवरलोडिंग के कारण शेरपुर चुंगी चौराहे पर 11 हजार वोल्ट की लाइन का तार टूट गया था। नीचे सूखा पेड़ होने के कारण उसमें आग लग गई। उन्होंने पुष्टि की कि कोई जान-माल की हानि नहीं हुई है। मौके पर लाइनमैन और विभागीय कर्मचारियों को भेज दिया गया है, और जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।स्थानीय निवासी राजीव प्रजापति और भोले प्रजापति सहित अन्य मोहल्ले वासियों ने विद्युत लाइनों के पास से गुजर रही पेड़ों की टहनियों की छंटाई की मांग की है। उनका कहना है कि इससे भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी।

सीओ धनौरा ने रात में किया भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार-गुरुवार की देर रात्रि क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया ने थाना गजरौला, थाना धनौरा एवं थाना बछरायूँ क्षेत्र में रात्रि भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कराई गई। चेकिंग के दौरान आने-जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच की गई। क्षेत्राधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, सतर्कता एवं कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को रात्रि गश्त प्रभावी ढंग से करने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने, बैंक/एटीएम, बाजार एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सीओ अंजली कटारिया ने पुलिसकर्मियों को आमजन के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, बिना नंबर प्लेट एवं संदिग्ध वाहनों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया।
इस दौरान उन्होंने कहा कि जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस लगातार सक्रिय एवं प्रतिबद्ध है। रात्रि गश्त को और मजबूत कर संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने का काम जारी रहेगा।

महिला एवं एससी एसटी उद्यमियों को मिला बिजनेस का गुरु मंत्र

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अतरासी रोड स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में सखी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री फाउंडेशन के तत्वावधान में एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सौजन्य से 'उद्यमी जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चैंबर की फाउंडर चंदा किरण सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में महिला, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उद्यमियों को नेशनल एससी/एसटी हब की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उद्यमियों को भारत सरकार की सार्वजनिक खरीद नीति के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमियों के लिए 4 प्रतिशत तथा महिला एमएसएमई उद्यमियों के लिए 3 प्रतिशत अनिवार्य खरीद का प्रावधान बताया गया। साथ ही विक्रेता पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और ई-टेंडरिंग की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।एचएएल के मुख्य प्रबंधक डॉ. विपिन प्रकाश सिंह ने रक्षा क्षेत्र में एयरक्राफ्ट पार्ट्स सप्लाई, पंजीकरण एवं खरीद-बिक्री की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। एचपीसीएल बरेली के प्रोजेक्ट मैनेजर अंविकेश ने तेल एवं ऊर्जा क्षेत्र के अवसरों पर जानकारी दी। डिप्टी एलडीएम गौरव जी ने बैंक ऋण प्राप्ति, डीआईसी के राजकुमार तोमर ने सरकारी ऋण योजनाओं तथा मंडी सचिव अरविंद कुमार ने मंडी समिति के माध्यम से सब्जी, गुड़ एवं फल कारोबार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। एनएसएसएचओ इंचार्ज आगरा ए.के श्रीवास्तव ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार तोमर और विशिष्ट अतिथि के रूप में एके श्रीवास्तव सहित 100 से अधिक उद्यमी शामिल हुए। व्यवस्थाएं द गंगा इवेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा की गईं तथा संचालन प्रदीप सिंह ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में पर्यावरण के हित में मुख्य अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया।

मंडी धनौरा में NHM कर्मियों का वेतन को लेकर धरना-प्रदर्शन शुरू,अनिश्चितकालीन आंदोलन का किया ऐलान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने वेतन न मिलने को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने गुरुवार को अनिश्चित कालीन आंदोलन का ऐलान किया है। बता दें कि इससे पहले कर्मचारियों ने तीन दिनों तक काली पट्टी बांधकर विरोध जताया था ,प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाओं को फिलहाल बाधित नहीं किया गया है।उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. अनामिका चौधरी ने कहा कि उनका जून 2025 का वेतन भी अभी तक जारी नहीं किया गया है, जिससे घर-परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। हरदोई से 300 किलोमीटर दूर आकर नौकरी कर रहीं मुस्कान कटियार ने बताया कि वेतन न मिलने से कमरे का किराया और दैनिक खर्चे पूरे करना कठिन हो गया है। डॉ. कुलदीप शर्मा ने भी बच्चों की स्कूल फीस और अन्य रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया।कर्मचारियों की मुख्य मांगों में अल्प वेतनभोगी कर्मियों को हर महीने समय पर वेतन देना, महंगाई के अनुरूप सम्मानजनक वेतन प्रदान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने लिए आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने, समान पद पर कार्यरत सभी कर्मियों को समान सेवा लाभ देने और संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा एवं नौकरी की पूर्ण गारंटी देने की मांग की है।धरने में डॉ. परवेज, डॉ. सीमा, डॉ. शिरीन परवीन, डॉ. कुलदीप शर्मा, मोहित बिश्नोई, दीपा यादव, प्रशांत, सुनील, संदीप, रवि, मुस्कान कटियार, अभिषेक वर्मा, ममतेश कुमारी, अंशु कुमारी, अनुपम, आस मोहम्मद और बीना कुमारी सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

गरीब व्यक्तियों के पुत्री की शादी हेतु अनुदान योजना से संबंध जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक की गई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विधायक नौगावां सादात समरपाल सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति एवम्-सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्री की शादी हेतु अनुदान योजना से संबंध जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्री की शादी अनुदान योजना के अंतर्गत ऑनलाइन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी ने विधायक को पौधा देकर स्वागत किया।
मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन लोगों को लाभ देना है उनकी जांच पारदर्शिता के साथ हो और जिसे अपात्र किया जा रहा है, उनकी अपात्रता का कारण स्पष्ट हो। किसी से भी किसी प्रकार का प्रलोभन न लें। जिस व्यक्ति को लाभ दिया जा रहा है उसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों को अवश्य दें और उसकी सूची उन्हे उपलब्ध करायें।।कोई भी प्रकरण लंबित न हो उसकी साथ समय निस्तारण कर दें।
मुख्य विकास अधिकारी ने विधायक को अवगत कराते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान के लिए समस्त विकास खंड में कुल 843 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें खंड विकास अधिकारी द्वारा 589 अग्रसारित आवेदन किए गए और 146 खंड विकास अधिकारी द्वारा निरस्त किए गए और 108 खंड विकास अधिकारी की लोगों पर लंबित आवेदन पत्र हैं।
मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराते हुए कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति एवम सामान्य वर्ग के शादी अनुदान के लिए समस्त विकास खंड में कुल 144 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें खंड विकास अधिकारी द्वारा 94 ग्रसारित आवेदन किए गए और 22 खंड विकास अधिकारी द्वारा निरस्त किए गए और 28 खंड विकास अधिकारी की लोगों पर लंबित आवेदन पत्र हैं।
इसी प्रकार तहसील स्तर पर तहसील अमरोहा, धनौरा, हसनपुर एवं नौगावां सादात में कुल 81 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से एसडीएम द्वारा 55 आवेदन पत्र अग्रसारित किए गए और 01 निरस्त किया और एसडीएम की लॉगिन आईडी पर 25 आवेदन लंबित। अर्थात जनपद जनपद में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र से कुल 924 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 644 अग्रसारित किए गए और 147 निरस्त किए गए और 133 आवेदन लंबित हैं।
अनुसूचित जाति/जनजाति एवम सामान्य वर्ग के तहसील अमरोहा, धनौरा, हसनपुर एवं नौगावां सादात में कुल 164 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से एसडीएम द्वारा 109 आवेदन पत्र अग्रसारित किए गए और 23 निरस्त किया और एसडीएम की लॉगिन आईडी पर 32 आवेदन लंबित। अर्थात जनपद जनपद में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र से कुल 164 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 109 अग्रसारित किए गए और 23 निरस्त किए गए और 32 आवेदन लंबित हैं।
उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि इस आवेदन के लिए शादी से 90 दिन पूर्व या शादी के 90 दिन बाद बाद लोग पात्र होंगे।
इस अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एम्स ऋषिकेश के पूर्व निदेशक पदमश्री प्रो0 (डॉ0) रविकान्त ने वेंकटेश्वरा के सीनियर ग्रुप एडवाईजर के रूप में किया पदभार ग्रहण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला रजबपुर राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान के लिए आज का दिन बेहद अहम व ऐतिहासिक रहा। देश ही नहीं दुनिया के विख्यात कैंसर सर्जन एम्स के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ0 रविकान्त ने आज वेंकटेश्वरा शैक्षणिक समूह (श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय वेंकटेश्वरा ग्रुप इंस्टीट्यूशन्स मेरठ, वेंकटेश्वरा मेडिकल कॉलेज, वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस) के सीनियर ग्रुप एडवाईजर के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने योग्य अनुभवी चिकित्सकों, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के दम पर विम्स को देश में चिकित्सीय सेवाओं के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।पद्मश्री डॉ0 रविकान्त के कार्यभार ग्रहण करने एवं उनके सम्मान में आयोजित समारोह का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 (डॉ0) कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष कुमार पाण्डेय, डीन मेडिकल डॉ0 प्रभु एम0एच0, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 शिशिर पाटिल आदि ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। प्रतिकुलाधिपति एवं संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ0 राजीव त्यागी ने डॉ0 रविकान्त को संस्थान प्रबन्धन की ओर से बुके भेंटकर सम्मानित किया।अपने सम्बोधन में वेंकटेश्वरा समूह के नवनियुक्त सीनियर ग्रुप एडवाईजर पद्मश्री डॉ0 रविकान्त ने वेंकटेश्वरा समूह अध्यक्ष सुधीर गिरि का आभार व्यक्त करते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश विशेष रूप से मुरादाबाद मेरठ में आधुनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की असीमित सम्भावनाऐं है। हम अपने योग्य चिकित्सकों की टीम एवं अत्याधुनिक सुपरस्पेशियलिटी सर्विसेस के द्वारा वेंकटेश्वरा में सस्ती, सुलभ एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाओं के लिए काम करेंगे, ताकि प्रधानमंत्री के स्वस्थ भारत-आरोग्य भारत मिशन में अपना प्रभावी योगदान दे सके।इस अवसर पर सी0एफ0ओ0 विकास भाटिया, एच0आर0 हेड कुलदीप सिंह, ग्रुप एडवाईजर आर0एस0 शर्मा, डॉ0 अभय भटनागर, एडिशनल मेडिकल सुपरिटेन्डेंट डॉ0 अमित जैन, डॉ0 गुरदीप सिंह कल्याण, डॉ0 बालकृष्ण, डॉ0 संगीता कपूर, डॉ0 गरिमा भटनागर, डॉ0 जरीन आफरोस, डॉ0 फैजल गिलानी, डॉ0 रूचि चैधरी, डॉ0 आलोक, डॉ0 विट्टल, डॉ0 विनय तुलसीराम, डॉ0 नीलम, डॉ0 मैत्री राहुल कौशिक, डॉ0 विपिन कुमार, डॉ0 सुशील कुमार, डॉ0 किशोर, डॉ0 विशाल सिद्ध, डॉ0 रूफेदा, डॉ0 भरतभूषण, डॉ0 रूचि पटवर्द्धन, डॉ0 अरूण गोस्वामी, एस0एस0 बघेल, मारूफ चैधरी, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 पंकज व मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

बकरीद को लेकर AIMIM कमेटी ने डीएम को सौंपा ज्ञापन,व्यवस्थाओं को मजबूत करने की उठाई मांग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्योहार से पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) की जिला इकाई ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष एडवोकेट साजिद अली चौधरी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर चार सूत्रीय मांगपत्र प्रस्तुत किया। बता दें कि ज्ञापन में पार्टी ने प्रशासन से बकरीद के अवसर पर पूरे जनपद में बिजली और पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, त्योहार से पूर्व विशेष सफाई अभियान चलाकर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया। AIMIM ने जिला प्रशासन से ईद के दौरान शांति और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का आग्रह किया। पार्टी ने यह भी मांग की कि कुर्बानी के लिए जानवरों को ले जाने वाले लोगों को रास्ते में अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। जिलाध्यक्ष साजिद अली चौधरी ने कहा कि बकरीद मुस्लिम समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। उन्होंने प्रशासन से इन मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया, ताकि लोग त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मना सकें। इस दौरान शाहिद सलमानी, जाने आलम, राशिद अली और फारूक सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
सम्भल
अमरोहा
शुक्रवार 22 मई 2026
www.sabkasapna.com

किसानों ने बिजली,खाद और मुआवजे की समस्याओं को लेकर डीएम दफ्तर पर डिप्टी कलेक्टर सौरभ कुमार पांडे को सौंपा ज्ञापन

सिंचाई संकट खाद की किल्लत और फसल नुकसान पर भड़के किसान, जल्द समाधान की उठाई मांग

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के मुख्यालय पर किसानों ने की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के जिलाध्यक्ष देवपाल यादव के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी कार्यालय बहजोई पर डिप्टी कलेक्टर सौरभ कुमार पांडे को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की। किसानों ने कहा कि लगातार बढ़ रही कृषि संबंधी समस्याओं के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है और समय रहते समाधान नहीं हुआ तो भूख हड़ताल व आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में किसानों ने सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट का मुद्दा उठाया। किसानों का कहना है कि नलकूपों के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है, जिससे मक्का और मेंथा जैसी फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने मांग की कि कम से कम दस से बारह घंटे नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि फसलें सूखने से बच सकें।

इसके अलावा किसानों ने डीएपी, यूरिया और बीज की किल्लत पर भी नाराजगी जताई। किसानों का आरोप है कि बुवाई के समय उर्वरकों की कालाबाजारी बढ़ जाती है और जरूरतमंद किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पाती। कई किसानों को सोसायटी की सदस्यता लेने के बावजूद यूरिया नहीं मिल रहा। वहीं फॉर्मर रजिस्ट्री के नाम पर किसानों को परेशान किए जाने का भी आरोप लगाया गया। किसानों ने मांग की जिन किसानों की जमीन का पूरा विवरण ऑनलाइन अपडेट नहीं हो पाया है, उन्हें आधार कार्ड के माध्यम से खाद उपलब्ध कराई जाए।

ज्ञापन में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुद्दा भी उठाया गया।

किसानों ने कहा कि कई प्रभावित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। किसान नेताओं ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे कराकर सभी प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है, इस दौरान दर्जनों किसान मौजूद रहे।

ईद-उल-अजहा को लेकर कलक्ट्रेट में पीस कमेटी की बैठक, दिए कड़े निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- आगामी त्योहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने के लिए कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। खुले में कुर्बानी और सोशल मीडिया पर वीडियो शेयरिंग पर पूर्ण प्रतिबंध। त्योहार के दौरान किसी भी नई परंपरा की शुरूआत नहीं होने दी जाएगी।कुर्बानी केवल पहले से निर्धारित पारंपरिक स्थलों पर ही होगी, खुले में कुर्बानी देने की सख्त मनाही है। कोई भी व्यक्ति कुर्बानी से संबंधित फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड या शेयर नहीं करेगा। माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों की टीमों को 28 से 30 मई तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। कुर्बानी के बाद अपशिष्ट का उठान समय से करने और उसे गहरे गड्ढे में ब्लीचिंग, नमक व चूना डालकर निस्तारण करने को कहा गया है। कुर्बानी स्थलों के पास बैरीकेडिंग, निर्बाध बिजली आपूर्ति और पानी के टैंकरों की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी उपजिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने तथा किसी भी संभावित विवाद को समय रहते सुलझाने के निर्देश दिए। पीस कमेटी के सदस्य मुफ्ती नूरी ने भी सभी से प्रशासनिक नियमों का पालन करने और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह व मनोज कुमार रावत, एसडीएम निधि पटेल, विकासचन्द व नीतू रानी, डिप्टी कलक्टर आशुतोष तिवारी सहित मुफ्ती नूरी, तनजीम अशरफ और सलमान अब्बास जैदी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर डिवाइडर से टकराई, तीन घायल

ड्राइवर को नींद की झपकी आने से हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से वाराणसी जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें यूपीडा एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ससीर सरकार पुत्र मानिक सरकार उम्र 28 वर्ष, समीर सरकार पुत्र मानिक सरकार उम्र 30 वर्ष तथा चमन पुत्र चेतराम उम्र 29 वर्ष निवासी पटपड़गंज दिल्ली स्विफ्ट डिजायर कार से दिल्ली से वाराणसी जा रहे थे। बुधवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे के 135 नंबर चंदौई प्वाइंट के पास चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सीएचसी बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दिया। हालत को देखते हुए तीनों घायलों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे करवाकर यातायात सुचारु कराया।

पुलिस की महिला टीम ने चौपाल लगाकर सुरक्षा एवं हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत बुधवार को जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी चन्दौसी/सहायक नोडल अधिकारी मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान थाना क्षेत्रांतर्गत आयोजित चौपालों में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों तथा महिला उत्पीड़न से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराना शासन और पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। अभियान के तहत एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों एवं शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए पंपलेट भी वितरित किए। इस दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी दी गई।

साथ ही मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी दिखाया गया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी संसाधनों के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।

सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के अपमान पर भड़के सुभासपाई

अमरोहा में अखिलेश यादव का पुतला फूंका, जमकर हुई नारेबाजी

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा में सुभासपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब गाँधी मूर्ति चौराहे पर बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेशयादव का पुतला दहन करते हुए जमकर हाय-हाय के नारे लगाए। इस दौरान सुभासपा प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज प्रजापति ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का अपमान कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते दिनों लखनऊ में सपाइयों द्वारा सुभासपा का झंडा जलाने का प्रयास किया गया जो उनकी राजनीतिक बौखलाहट और हताशा को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अब जनता के बीच अपना जनाधार खो चुकी है और इसी वजह से इस तरह की हरकतों पर उतर आई है। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि सुभासपा हमेशा पिछड़े, शोषित व वंचित समाज की आवाज उठाने का काम करती रही है, लेकिन सपा नेताओं को यह रास नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि यदि सुभासपा नेतृत्व के खिलाफ अभद्र भाषा या अपमानजनक व्यवहार किया गया तो कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक जवाब देने का काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि राजेंद्र बांगा ने कहा कि सुभासपा कार्यकर्ता पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ अपने नेता के सम्मान की रक्षा के लिए खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार प्रदेश में अपना जनाधार मजबूत कर रही है और विरोधी दल इससे घबराए हुए हैं। पुतला फूंकने वालों में बलराज सिंह प्रजापति प्रदेश उपाध्यक्ष, सत्यपाल तोमर जिलाध्यक्ष, आदेश अमरोही, मोहम्मद यूनस सैफी, मोहम्मद एहसान सैफी, जसवीर सिंह चौहान डॉ जगत सिंह गुर्जर इस्लामउद्दीन इदरीसी चौधरी राजेन्द्र सिंह मतलूब अंसारी जुबैर अहमद पवन कुमार टिंकू प्रजापति जमालुद्दीन कमर आलम बाबूराम पाल आदि सैकड़ो कार्यकतागण मौजूद रहे।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

पुलिस ने अवैध तमंचा और बाइक के साथ दबोचा, घायल आरोपी भेजा गया अस्पताल

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चन्दौसी पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को मंगलवार को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में थाना चन्दौसी पुलिस द्वारा आटा मॉल के सामने जाने वाले मार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपी ने भागने की कोशिश की। पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मुठभेड़ में थाना चन्दौसी पर पंजीकृत दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित अभियुक्त नसीम पुत्र जमील अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के कब्जे से एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (काले रंग की, बिना नंबर प्लेट), एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। मुठभेड़ के दौरान घायल हुए अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। थाना चन्दौसी पुलिस ने गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

सीबीआरसेटी बहजोई में कम्प्यूटर अकाउंटिंग प्रशिक्षण का शुभारंभ

ग्रामीण बेरोजगार युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के सीबीआरसेटी बहजोई में ग्रामीण गरीब एवं बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कम्प्यूटर अकाउंटिंग एवं डिजिटल कार्यों की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में युवाओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और लगन के साथ सीखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एलडीएम सम्भल ललित विजय राय एवं डीडीएम नाबार्ड विशाल कंसल ने भी प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। अधिकारियों ने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत और अनुशासन के साथ सीखी गई कला युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन सकती है।

अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को नियमित उपस्थिति बनाए रखने तथा प्रशिक्षण को गंभीरता से पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संतोष कुमार, सुजीत सिंह, विशेष कुमार एवं रनवीर सिंह भी उपस्थित रहे। संस्थान द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को कम्प्यूटर अकाउंटिंग, टैली, बुक कीपिंग, एमएस ऑफिस एवं कार्यालयी कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए मेस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने में प्रभावी साबित हो रहे हैं।

कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शस्त्र अधिनियम से संबंधित प्रकरणों सहित जुआ, एनडीपीएस, आबकारी एवं गुंडा एक्ट के अंतर्गत की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त गैंगस्टर एक्ट, एन.एस.ए., गोकशी, पॉक्सो एक्ट, जिला बदर एवं गैंग चार्ट से संबंधित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान अभियोजन कार्यों की भी समीक्षा की गई। न्यायालयों में दायर वादों, गैंगस्टर कोर्ट में लंबित प्रकरणों, बीएनएस एवं डीजीसी संवर्ग से संबंधित मामलों के निस्तारण एवं सजा की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठक में सभी अधिकारी प्रकरणों का गहन अध्ययन कर पूर्ण विवरण के साथ उपस्थित हों, ताकि प्रत्येक केस पर प्रभावी ढंग से समीक्षा एवं चर्चा की जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक तिवारी, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार, एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्योहारा में दो अज्ञात शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह दो अलग-अलग स्थानों पर अज्ञात व्यक्तियों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। एक शव बुढ़नपुर पोषक नहर में तैरता मिला, जबकि दूसरा शव रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटा हुआ पाया गया। दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस दोनों मृतकों की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। पहली घटना थाना स्योहारा क्षेत्र के बुढ़नपुर पोषक नहर की है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे सूचना मिली कि

नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैर रहा है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया गया। पुलिस जांच में मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष आंकी गई है। शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। मृतक के दाहिने हाथ पर ॐ नमः शिवाय और जय श्री सिद्ध बाबा गुदा हुआ पाया गया, जिसके आधार पर पुलिस पहचान कराने का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी घटना रेलवे ट्रैक पर सामने आई। स्टेशन अधीक्षक रेलवे द्वारा थाना स्योहारा पुलिस को सूचना दी गई कि कि रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव ट्रेन से कटा हुआ मिला। आसपास मौजूद लोगों से पहचान कराने की कोशिश की गई, लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है और मृतकों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

आशा वर्कर्स का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, डॉक्टरों पर लगाए गंभीर आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन के बैनर तले गुरुवार को सैकड़ों आशा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकताओं ने लाभार्थियों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा और मानसिक शोषण का आरोप लगाया। मामले को लेकर आशाओं में भारी नाराजगी देखने को मिली। आशा कार्यकताओं द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 19 मई को सीएचसी हल्दौर में आयोजित नसबंदी शिविर के दौरान महिलाओं और आशा कार्यकताओं के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। आरोप है कि शिविर में मौजूद डॉक्टरों ने महिलाओं के लिए आपत्तिजनक

शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे लाभार्थियों और वहां मौजूद आशाओं को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रही आशाओं ने आरोप लगाया कि नसबंदी प्रक्रिया के दौरान डॉ. जितेंद्र और डॉ. राजीव द्विवेदी द्वारा ऑपरेशन थिएटर में बाहरी पुरुषों को बुलाया गया। उनका कहना था कि एसी हटाने के बहाने महिलाओं की निजता भंग की गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आशा कार्यकताओं का आरोप है कि सीएचसी में उन्हें लगातार परेशान और अपमानित किया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य कर रही महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही सीएचसी हल्दौर की व्यवस्थाओं में सुधार और संबंधित डॉक्टरों को पद से हटाने की भी मांग उठाई गई। आशा कार्यकताओं ने बताया कि ज्ञापन की प्रतियां प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को भी भेजी गई हैं, ताकि मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में काफी देर तक नारेबाजी होती रही। इस दौरान सुमन, उमा, सुदेश, अर्चना, मिथिलेश, तबस्सुम, पंकज देवी, पुष्पा देवी, रश्मि, नीता देवी, कविता, विनोद, सरिता, पूनम, राखी, वसीम, रेखा, सोनिका, सीता, शीतल, गीता शर्मा, रीना, नसरीन, ममता चौधरी, लोकेश और नीतू शर्मा सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

निर्माण स्थल पर हादसा, स्योहारा के युवक ने तोड़ा दम

बिजनौर (सब का सपना):- अफजलगढ़ क्षेत्र में एक निमार्णाधीन सरकारी भवन में काम कर रहे युवक की ऊंचाई से गिरकर मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतक परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय दीपक कुमार पुत्र ब्रह्मपाल सिंह निवासी गांव लाम्बाखेड़ा, स्योहारा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दीपक अफजलगढ़ क्षेत्र में बन रही एक सरकारी बिल्डिंग में फायर फाइटिंग का कार्य कर रहा था। बुधवार को

वह निमार्णाधीन भवन की ऊपरी मंजिल पर काम कर रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह करीब 60 फीट नीचे जा गिरा। ऊंचाई से गिरते ही मौके पर मौजूद मजदूरों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। साथी कर्मचारियों ने तुरंत उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उपचार शुरू किया, लेकिन इलाज के दौरान दीपक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। बताया गया कि दीपक अविवाहित था और उसने बीए तक की पढ़ाई की थी। वह पिछले करीब 15 दिनों से उक्त निर्माण स्थल पर कार्य कर रहा था। दीपक अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था और परिवार की जिम्मेदारी भी उसी पर थी। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।
सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और घटना के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएचसी स्योहारा में हीट वेव से निपटने की तैयारी पूरी, 6 बेड आरक्षित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भीषण गर्मी और लू को देखते हुए शासन के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में हीट वेव से निपटने के लिए विशेष तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि अस्पताल में 6 बेड आरक्षित किए गए हैं, जहां कूलर, ऑक्सीजन सिलेंडर, आइस पैक, कोल्ड स्पंजिंग, ओआरएस, आईवी फ्लूड और अन्य जीवनरक्षक दवाओं की व्यवस्था की गई है। डॉक्टरों और

पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है। डॉ. स्नेही ने बताया कि हीट वेव यानी लू लगातार बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं की स्थिति है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है। इसके लक्षणों में चक्कर आना, सिरदर्द, थकान, मिचली और अत्यधिक पसीना शामिल हैं।
उन्होंने लोगों से अपील की कि तेज धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएं, हल्के सूती कपड़े पहनें और सिर ढककर बाहर निकलें। उन्होंने बताया कि अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 250 से 300 मरीज आ रहे हैं तथा सभी जांच सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हैं। साथ ही एआरवी और एएसवी वैक्सीन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

पिंकी हत्याकांड में पुलिस को मिली अहम सफलता

हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश, लेकिन बच नहीं पाया आरोपी

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने महिला की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जंगल में जलाई गई चिता के पास से अधजले शव के अवशेष और हड्डियां भी बरामद की हैं। पुलिस ने बरामद अवशेषों को जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। घटना के खुलासे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार 20 मई को अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अनवरपुर चंडिका निवासी सतवीर सिंह ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन पिंकी की उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने हत्या कर दी है। तहरीर में आरोप लगाया गया

कि पिंकी को लगातार प्रताड़ित किया जाता था और उसके साथ मारपीट की जाती थी। आरोप है कि हत्या के बाद शव को साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से रात में रामगंगा क्षेत्र के जंगल में ले जाकर जला दिया गया। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में सुनील कुमार, जोगेंद्र और धर्मेंद्र निवासी ग्राम बेरखेड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को सौंपी गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील कुमार पुत्र हीरा सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी सुनील कुमार ने पुलिस को जंगल में उस स्थान पर ले जाकर निशानदेही की, जहां कथित रूप से शव जलाया गया था। मौके से पुलिस ने अधजले शव का एक टुकड़ा और कुछ हड्डियां बरामद कीं। पुलिस ने सभी अवशेषों को कब्जे में लेकर सील कर दिया है और उन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।
पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज, हेड कांस्टेबल सरित और कांस्टेबल विपिन शामिल रहे।

बिजनौर में स्कूलों के ऊपर से हटेंगी हाईटेंशन लाइनें, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइनों को हटाने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीएम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्कूलों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन

विद्यालयों से हाईटेंशन लाइनें हट चुकी हैं और जहां कार्य लंबित है, उनकी सूची तैयार कर नियमित समीक्षा की जाए। साथ ही स्कूलों के मुख्य द्वार या परिसर के पास लगे ट्रांसफार्मरों के चारों ओर बैरिकेडिंग या बाउंड्रीवाल कराने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि लाइनें हटने तक प्रधानाध्यापक बच्चों को संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रखें। वहीं, जहां बिजली लाइन या पोल हटाने में विवाद आ रहा हो, वहां प्रशासन और पुलिस के समन्वय से समस्या का त्वरित समाधान कराया जाए। उन्होंने हाईटेंशन लाइनों से होने वाली दुर्घटनाओं में प्रभावित पात्र लोगों को मुआवजा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में बीएसए सचिन कसाना समेत विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बिजनौर में 22 मई से शुरू होगा जनगणना-2027 का प्रथम चरण

बिजनौर (सब का सपना):- प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य जनपद बिजनौर में 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत जनपद की सभी पांच तहसीलों और 18 नगर निकायों में व्यापक स्तर पर गणना कार्य कराया जाएगा। जनपद को कुल 7971 मकानसूचीकरण ब्लॉकों में विभाजित किया गया है। कार्य को संपन्न कराने के लिए 6843 प्रगणक और 1109 पर्यवेक्षकों समेत कुल 7952 कार्मिकों की तैनाती की गई है।
तहसीलवार देखें तो धामपुर में सबसे अधिक 1888 कार्मिक नियुक्त किए गए हैं, जबकि नजीबाबाद में 1231, चांदपुर में 1220, नगीना में 873 और बिजनौर तहसील में 854 कार्मिक लगाए गए हैं। नगर निकायों में भी आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता, गंभीरता और शुद्धता के साथ संपन्न कराया जाए। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि घर-घर पहुंचने वाले प्रगणकों को सही जानकारी देकर सहयोग करें, ताकि जनगणना कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके।

विशेष लोक अदालत 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 31 मई तक कर सकते हैं आवेदन

बिजनौर (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मैन्सी धुन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत)-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य न्याय को सरल, सुलभ और सौहार्दपूर्ण तरीके से आमजन तक पहुंचाना तथा आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से लंबित वादों का निस्तारण कराना है। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान की शुरूआत 21 अप्रैल 2026 से हो चुकी है, जबकि विशेष लोक अदालत का आयोजन 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को किया

जाएगा। इसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों को शामिल किया जाएगा। सचिव मैन्सी धुन्ना ने बताया कि पक्षकारों के बीच समझौते के लिए गठित पीठों के समक्ष प्री-मीटिंग आयोजित की जाएंगी। इसमें भौतिक उपस्थिति के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से भी सुलह वार्ता में भाग लेने की सुविधा दी गई है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के लोग भी आसानी से जुड़ सकेंगे। उन्होंने अधिवक्ताओं, वादकारियों और संबंधित पक्षों से अपील की कि वे इस जनहितकारी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और आपसी सहमति से अपने विवादों का समाधान कर न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने में सहयोग करें। इच्छुक पक्षकार अपने मामलों को विशेष लोक अदालत में शामिल कराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थापित वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है।

मारपीट और धमकी के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक बांस का डंडा भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव वजीरपुर मडैयो निवासी मोहित पुत्र सुंदर लाल ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही विकास, अंकुल, बलवीर और सचिन ने उसके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियारों और लोहे के कड़ों से हमला कर दिया। पीड़ित का

आरोप था कि मारपीट के दौरान उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक राजेश कुमार को सौंपी गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी अंकुल पुत्र पप्पू निवासी वजीरपुर मडैयो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बांस का डंडा भी बरामद किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया और उसे न्यायालय में पेश किया गया।
पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश और विवेचना की कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बिजनौर के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी धामपुर और क्षेत्राधिकारी धामपुर के निर्देशन में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज मलिक, हेड कांस्टेबल सरित और कांस्टेबल विपिन शामिल रहे।

छेड़छाड़ और मारपीट का मुख्य आरोपी भेजा गया जेल

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा पुलिस ने एक नाबालिग बच्चे के साथ कुकर्म के प्रयास और महिला से छेड़छाड़ व मारपीट के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कस्बे के 'लाइन के पास' का निवासी सादिक उसके आठ वर्षीय मासूम बेटे को एकांत में ले गया। वहां उसने बच्चे के साथ कुकर्म का प्रयास किया। महिला का आरोप है कि जब उसने इस घिनौनी करतूत का कड़ा विरोध किया, तो आरोपी सादिक ने अपने अन्य

साथियों परवेज, साजिया और अली के साथ मिलकर एक राय होकर पीड़िता के घर पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए परिवार के साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान आरोपी सादिक ने पीड़िता के साथ भी अश्लील हरकतें करते हुए छेड़छाड़ की और विरोध करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर स्योहारा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, धमकी और पोक्सो एक्ट व सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक समय पाल सिंह को सौंपी गई थी। आरोपियों की तलाश में जुटी स्योहारा पुलिस ने मुख्य आरोपी सादिक पुत्र मेराजुद्दीन को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

ड्यूटी से वापस घर लौट रहे, दो युवको को गाड़ी ने मारी टक्कर, हुई मौत

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- देर रात को स्याना कोतवाली क्षेत्र के रानापुर नहर की पटरी पर कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से दोनों युवक मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान थाना नरसेना क्षेत्र के गांव भड़काऊ निवासी प्रमोद चौहान 43 वर्ष से और महिपाल चौहान 45 वर्ष के रूप में है। दोनों महेंद्र चौहान के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार आपको बता दें कि वह देर रात अपनी ड्यूटी से

मृतक महिपाल

मृतक प्रमोद

शाम को वापस अपने घर आ रहे थे जैसे ही कोतवाली क्षेत्र के गांव रानापुर नहर की पटरी के पास पहुंचे तो सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी जिससे कि दोनों की ही मौके पर मौत हो गई।। राहगीरों ने बताया कि दोनों की मौत का कारण रोड के ऊपर पड़ी अधिक मिट्टी से हुई है। बताया जा रहा है कि आए दिन अधिक मिट्टी होने की वजह से लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। कोतवाली प्रभारी रामनारायण सिंह ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

सड़क सुरक्षा अभियान में तेज हुई कार्रवाई, विभिन्न उल्लंघनों में सैकड़ों चालान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शासन द्वारा 19 मई 2026 से चलाए जा रहे विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत जनपद बुलन्दशहर में यातायात पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 120 चालान किए गए, जबकि सीट बेल्ट का प्रयोग न करने पर 68 वाहन

चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा ओवरस्पीडिंग के 67, गलत दिशा में वाहन चलाने के 62, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने के 40 तथा ड्रंक एंड ड्राइव के 13 चालान किए गए। यातायात पुलिस द्वारा अन्य विभिन्न अभियोगों में 15 वाहनों को निरुद्ध भी किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

सरकारी टंकी से पानी भरने पर पीटा

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- गांव नवादा में सरकारी टंकी से पानी भर रहे एक ग्रामीण को एक परिवार के चार लोगों ने गाली गलौज करते हुए रोक दिया। विरोध करने पर पिटाई कर घायल कर दिया गया।

नीरज कुमार पुत्र प्रसादी लाल ने पुलिस में दर्ज कराए मामले में कहा है कि गांव निवासी चमन उसकी पत्नी ममता और दो बेटों पीयूष व भूरा ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के उपाध्यक्ष सईद मुनीर अकबर ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक, युवा और तकनीक से जुड़े भारत का सपना देखा था। पंचायती राज और

सूचना क्रांति जैसे उनके फैसलों की गूंज आज भी देशभर में सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की संवेदनशीलता, सरलता और दूरदर्शी सोच आज भी लोगों को प्रेरित करती है। इस दौरान वसी अहमद रिजवी, ताहिर अंसारी, राजेंद्र सिंह, कुंवर पाल सिंह, दिनेश कुमार शुक्ल, भ्रमर सिंह और राहुल यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर वर्षों तक दुष्कर्म का आरोप

कार्रवाई न होने पर महिला पहुंची एसएसपी कार्यालय

बुलन्दशहर (सब का सपना):- थाना औरंगाबाद क्षेत्र की एक महिला ने मोहल्ला ढाक निवासी सुभाष पुत्र महिपाल पर शादी का झांसा देकर वर्षों तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि गर्भवती होने पर आरोपी ने उस पर जबरन गर्भपात कराने का दबाव बनाया और अस्पताल में गर्भपात भी कराया। महिला ने इस संबंध में कुछ दस्तावेज भी प्रस्तुत किए हैं। पीड़िता का कहना है कि जब उसने आरोपी पर शादी करने का दबाव बनाया तो उसने साफ इंकार कर दिया। इसके बाद महिला ने थाना औरंगाबाद में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई न होने से आहत महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। महिला ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोपी सुभाष पुत्र महिपाल निवासी मोहल्ला ढाक, औरंगाबाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने प्रकरण की जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय प्रजापति महासभा ने पंकज कुमार दक्ष को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

वरिष्ठ पत्रकार को बनाया गया बिजनौर का जिला अध्यक्ष, समाज में खुशी की लहर

धामपुर (सब का सपना):- राष्ट्रीय प्रजापति महासभा (रजि.) द्वारा संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जनपद बिजनौर निवासी वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक पंकज कुमार दक्ष को संगठन का जिला अध्यक्ष (बिजनौर) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष दारा सिंह प्रजापति एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति की संस्तुति पर की गई। बताया जाता है कि पंकज कुमार दक्ष पहले से ही प्रजापति समाज की अन्य संस्थाओं में उत्तर प्रदेश प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। समाज हित में

उनकी सक्रिय भूमिका, संगठन क्षमता तथा पत्रकारिता के माध्यम से समाज की आवाज बुलंद करने के कार्यों को देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा द्वारा जारी नियुक्ति-पत्र में आशा व्यक्त की गई है कि पंकज कुमार दक्ष के नेतृत्व में संगठन जनपद बिजनौर में और अधिक मजबूत होगा तथा समाज के उत्थान, शिक्षा, एकता और अधिकारों के लिए प्रभावी कार्य किए जाएंगे। नियुक्ति की खबर फैलते ही समाज एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों और समाजसेवियों ने पंकज कुमार दक्ष को बधाई देते हुए इसे प्रजापति समाज के लिए गर्व का विषय बताया। इस अवसर पर पंकज कुमार दक्ष ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन द्वारा दिए गए दायित्व का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का कार्य करेंगे। पंकज कुमार दक्ष ग्राम जलालपुर आसरा शादीपुर, थाना नहटौर, तहसील धामपुर, जिला बिजनौर के निवासी हैं और लंबे समय से पत्रकारिता एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत खुर्जा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन हो गया। प्रशिक्षण वर्ग में 11 वैचारिक एवं संगठनात्मक सत्रों के माध्यम से कार्यकताओं को संगठन की कार्यशैली, विचारधारा और राष्ट्र सेवा के विषय में प्रशिक्षण दिया गया।

समापन सत्र में क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण का सजग प्रहरी है और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, विधायक संजीव शर्मा तथा क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने प्रशिक्षण वर्ग को सफल बताते हुए सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल संपन्न हुई लेखपाल मुख्य परीक्षा

कुल 1104 में से 215 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा 2025 गुरुवार को नगर के दोनों परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल संपन्न कराई गई। परीक्षा के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर के शिवकुमार अग्रवाल जनता इंटर कॉलेज एवं भानु प्रताप एंग्लो संस्कृत इंटर कॉलेज में आयोजित परीक्षा में कुल 1104 अभ्यर्थियों को शामिल होना था। इनमें शिवकुमार अग्रवाल जनता इंटर कॉलेज में 600 में से

490 तथा भानु प्रताप एंग्लो संस्कृत इंटर कॉलेज में 504 में से 399 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। दोनों केंद्रों पर कुल 215 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान जनता इंटर कॉलेज में स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश यादव तथा सेक्टर प्रभारी एवं बीडीओ मनीष मिश्र ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। वहीं बीपीएएस इंटर कॉलेज में स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं नायब तहसीलदार अखिलेश यादव तथा सेक्टर प्रभारी एवं सदर बीडीओ ज्ञानेंद्र मिश्रा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीडीओ जहांगीराबाद मनीष मिश्र ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 50 से अधिक कर्मचारियों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई थी, जिनमें कक्ष निरीक्षक भी शामिल रहे।

वहीं सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी सुदेश कुमार ने भी परीक्षा केंद्रों के बाहर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा पूरी तरह सुरक्षा निगरानी में शांतिपूर्वक सकुशल संपन्न हुई।

छात्राओं ने चित्रों के माध्यम से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- रघुवर दयाल प्रभु दयाल इंटर कॉलेज में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के उपलक्ष्य में ग्रीष्म अवकाश शुरू होने के कारण एक दिन पूर्व ह्लवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्व थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद जीवों की विविधता के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। छात्राओं ने मेरा हरा-भरा भारत, पक्षियों का संसार तथा प्रकृति और जीव-जंतु जैसे विषयों

पर आकर्षक चित्र बनाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। प्रतियोगिता में खुशी ने प्रथम, आरती शर्मा ने द्वितीय तथा दीपांशी और प्रवेश ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भावना और सोनिका को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल में शामिल विद्यालय की प्राचार्य डॉ. शीनू चौधरी ने कहा कि पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बनाए रखने में जैव विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय प्रबंधक गिरीश गर्ग, निदेशक शरद अग्रवाल, संयोजक कुलदीप गर्ग एवं हर्ष अग्रवाल ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर बल दिया।

श्रीमद् भागवत कथा का किया गया भव्य आयोजन, निकाली गई भव्य कलश यात्रा

बुलंदशहर (सब का सपना):- मामन चौकी स्थित राजराजेश्वर मंदिर में गुरुवार को श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जो राजराजेश्वर मंदिर से शुरू होकर साठ रोड, अंसारी रोड और चौक बाजार होते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर हिस्सा लिया और हरीनाम संकीर्तन के साथ भगवान राधा-कृष्ण के भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शरबत और कोल्ड ड्रिंक का

वितरण भी किया गया। श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस पर कथा वाचक धनंजय दास महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सावन और अधिक मास का विशेष महत्व होता है, जो तीन वर्षों में एक बार आता है। उन्होंने कहा कि इस पावन माह में भगवान विष्णु, राधा-कृष्ण और देवी-देवताओं की भक्ति, जप, यात्रा और भंडारे करने से कई गुना पुण्य फल प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक तीर्थ स्थलों की यात्रा और भगवान के दर्शन करने का आह्वान किया।

वहीं हरीनाम संकीर्तन मंडल के संचालक प्रदीप गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत 20 तारीख को महामंत्र जप के साथ हुई थी। 21 तारीख को शोभायात्रा निकाली गई, जबकि 23 तारीख से शाम 7 बजे भक्तमाल कथा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक राजराजेश्वर मंदिर में आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं।

भारत विकास परिषद आरोही शाखा बाल संस्कार शिविर चमेंली देवी कन्या विद्या मंदिर में शुरू हुआ

बुलंदशहर (सब का सपना):- भारत विकास परिषद आरोही शाखा बुलंदशहर द्वारा आयोजित बाल संस्कार शिविर चमेंली देवी कन्या विद्या मंदिर में शुरू हुआ। आज बाल संस्कार शिविर में आरोही शाखा की महिला टीम द्वारा बच्चों को योगाभ्यास, डांस, बैंगिल मेंकिंग आदि बच्चों को सिखाए गए। इससे पूर्व शिविर का उद्घाटन मंजू एवं अनिता गुप्ता प्रिंसिपल द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयोजक आश्री अग्रवाल, सुनीता बिसारिया, मनिता गोयल, विम्मी मित्तल, भावना जैन, ममता गुप्ता, संगीता

मित्तल, गीता सिंह, रीता गुप्ता सहित भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। बच्चों को कार्यक्रम उपरांत सभी को आइस्क्रीम बांटी गई। इस अवसर पर संजय बिसारिया प्रांतीय गतिविधि संयोजक पर्यावरण, अध्यक्ष रविकांत, सचिव अजय मित्तल, कोषाध्यक्ष अमित मित्तल, नीरज अग्रवाल, पुनीत गुप्ता, तुषार गोविल,बलराम चौकड़ात, अनिल माहेश्वरी, सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

संजय बिसारिया एडवोकेट बुलंदशहर प्रांतीय गतिविधि संयोजक पर्यावरण पश्चिमी उत्तर प्रदेश भारत विकास परिषदअंत में भारत विकास परिषद आरोही शाखा बुलंदशहर की महिला सहभागिता संयोजिका आश्री अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मैक्स हॉस्पिटल वैशाली के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ अब लक्ष्मी हॉस्पिटल बुलन्दशहर में देंगे सेवाएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- हृदय रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। मैक्स सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल वैशाली के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ हिमांशु लोधी अब लक्ष्मी हॉस्पिटल बुलंदशहर में अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. हिमांशु लोधी एमडी, डीएनबी (कार्डियोलॉजी) हैं तथा इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार अब मरीजों को हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों के उपचार और परामर्श के लिए महानगरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लक्ष्मी हॉस्पिटल में डॉ. हिमांशु लोधी एमडी, डीएनबी (कार्डियोलॉजी) प्रत्येक गुरुवार को दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक ओपीडी संचालित की जाएगी। यहां मरीजों को हृदय रोगों की जांच एवं उपचार संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और पेसमेकर संबंधी मार्गदर्शन हेतु ऑनलाइन परामर्श सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. हिमांशु लोधी एमडी, डीएनबी (कार्डियोलॉजी) ने बताया कि सोमवार से शनिवार तक सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अपॉइंटमेंट बुक किए जा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया और डबल लॉक एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को देखा। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये। निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की विशेष अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा प्राप्त आकड़ो के आधार पर दिनांक 20 मई, 2026 को दर्ज किया गया 41.27 डिग्री सेल्सियस का तापमान केवल एक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी है। इतनी भीषण गर्मी और लू की संभावना आने वाले दिनों में भी बनी रहेगी। इस परिस्थिति में हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह स्वयं, अपने परिवार और अपने आस-पड़ोस के लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरते। तेज धूप और लू से बचाव के लिए सबसे पहला कदम है कि हम दिन के समय, विशेषकर दोपहर में, अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। यदि बाहर जाना ही पड़े तो सिर को ढककर ही जाएँ। इसके लिए, गमछा, टोपी या छाता का प्रयोग करें। यह केवल एक साधारण उपाय नहीं है, बल्कि जीवन रक्षक ढाल है। सिर पर कपड़ा या टोपी रखने से धूप का सीधा असर कम होता है और शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। केवल प्यास लगने पर ही नहीं, बल्कि नियमित अंतराल पर पानी पीना चाहिए। नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी जैसे प्राकृतिक पेय भी शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। याद रखें कि पसीने के साथ शरीर से नमक और मिनरल्स भी बाहर निकलते हैं, इसलिए हल्के नमक वाला पानी या इलेक्ट्रोलाइट का सेवन भी लाभकारी है। कपड़ों का चुनाव भी इस मौसम में अहम है। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। गहरे रंग और सिंथेटिक कपड़े शरीर में गर्मी को रोकते हैं और पसीना सोखते नहीं, जिससे असुविधा बढ़ती है। सूती कपड़े हवा को आसानी से पार होने देते हैं और शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। ये वर्ग गर्मी से जल्दी प्रभावित होते हैं। बच्चों को धूप में खेलने से रोकें, बुजुर्गों को दिन में बाहर जाने से बचाएँ और बीमार व्यक्तियों को ठंडी जगह पर आराम करने दें। यदि किसी को चक्कर आना, सिरदर्द, अत्यधिक थकान या उल्टी जैसी समस्या महसूस हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। समय पर इलाज ही जीवन बचा सकता है। जिलाधिकारी डा0 नितिन गौड़ ने कहा है कि गर्मी केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी चुनौती है। अपने घरों और आस-पास के क्षेत्रों में पानी की व्यवस्था करें। खुले स्थानों पर पानी के बर्तन रखें ताकि गाय, कुत्ते जैसे पशु और सभी प्रकार के पक्षी भी राहत पा सकें। अपनी छत पर भी पानी के बर्तन रखें ताकि कबूतर, गौरैया, तोता और अन्य पक्षी आसानी से पानी पी सकें। यह न केवल मानवीय दृष्टिकोण से आवश्यक है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। जिलाधिकारी ने सभी शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और कार्यालयों को निर्देशित किया है कि वे अपने कर्मचारियों और विद्यार्थियों को गर्मी से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करें। नगर निकायों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करें और छायादार स्थानों पर विश्राम स्थल उपलब्ध कराएँ। नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करें। सामूहिक सहयोग और जागरूकता ही हमें इस कठिन मौसम में सुरक्षित रख सकती है। जब हर व्यक्ति अपने स्तर पर सावधानी बरतेगा, तभी समाज सुरक्षित रह पाएगा। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए कुछ नारेनुमा पंक्तियाँ भी याद रखें। गर्मी से बचना है जरूरी, सिर पर टोपी और गमछा है मजबूरी। पानी पिएँ, छाँव में रहें - लू से बचें, सुरक्षित रहें। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार - सबका रखें खास खयाल। पशु-पक्षियों को भी दें राहत - यही सच्ची इंसानियत है।

आगामी त्योहारों को लेकर बहजोई कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील, प्रशासन ने दिए जरूरी निर्देश

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- आगामी त्योहारों एवं विशेष रूप से ईदुल अजहा (बकरीद) पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को जनपद की कोतवाली बहजोई परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, नगर के नागरिकों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई, जिसमें मौजूद लोगों से त्योहार के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि ईदुल अजहा (बकरीद) का पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया जाए तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया जाए। बैठक में साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार के दौरान क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई। पीस कमेटी के सदस्यों एवं नगर के लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि बहजोई क्षेत्र में हमेशा आपसी भाईचारे और सौहार्द की परंपरा रही है, जिसे आगे भी कायम रखा जाएगा। बैठक के अंत में सभी से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की गई।

भीषण गर्मी और तेज धूप से बेहाल हुए लोग, गर्म हवाओं ने बढ़ाई परेशानी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण दोपहर होते-होते तापमान में भारी बढ़ोतरी हो रही है, जिससे लोग बेहाल नजर आ रहे हैं। गर्म हवाओं और उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। जरूरी काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। तेज धूप के कारण राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी मजदूरों, रिक्शा चालकों और बाहर काम करने वाले लोगों को हो रही है।

गर्मी से बचने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों, शरबत, जूस और पानी का सहारा ले रहे हैं। वहीं चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण दिनभर गर्म हवाएं चल रही हैं, जिससे आमजन परेशान हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम दिखाई दे रही है।

परिवहन विभाग का बड़ा अभियान, ओवरलोड वाहन सीज व स्कूली वाहनों की जांच से मचा हड़कंप

सम्भल (सब का सपना):- अभियान के तहत मंडी चौकी सम्भल और असमोली क्षेत्र में चार ओवरलोड वाहनों को सीज किया गया। इसके अलावा स्कूली वाहनों की विशेष जांच की गई, जिसमें तीन वाहनों के चालान किए गए। जांच के दौरान जिन वाहनों में कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए तथा चालकों को सुरक्षित संचालन के प्रति जागरूक किया गया। परिवहन विभाग की टीम ने ऐसे डंपरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जो ओवरलोड मिट्टी ढो रहे थे और बिना मानकों का पालन किए सड़क पर चल रहे थे। अधिकारियों ने चालकों को निर्देश दिए कि भविष्य में मिट्टी ढोने वाले वाहनों को तिरपाल से ढंककर ही चलाया जाए, ताकि पीछे चलने वाले राहगीरों और बाइक सवारों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अभियान के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली में लोगों को बैठाकर यात्रा कराने पर भी सख्ती दिखाई गई। अधिकारियों ने चालक एवं यात्रियों को समझाते हुए कहा कि इस प्रकार की यात्रा असुरक्षित है और इससे जान का खतरा बना रहता है। लोगों से अपील की गई कि वे ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर यात्रा न करें। वहीं चौधरी सराय क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से वाहन संचालन की लगातार मिल रही शिकायतों पर परिवहन विभाग ने विशेष कार्रवाई करते हुए कई वाहनों के चालान किए। साथ ही दिल्ली के लिए सवारियां लेकर जा रही दो प्राइवेट टैक्सियों को पकड़कर मंडी चौकी पुलिस स्टेशन सम्भल में सीज कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को लेकर यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेले को लेकर सम्भल पुलिस का ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी

23 से 26 मई तक भारी वाहनों के रूट बदले जाएंगे, ब्रजघाट जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए व्यवस्था लागू

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेले के अवसर पर ब्रजघाट में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सम्भल पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। यह डायवर्जन 23 मई की सुबह 8 बजे से 26 मई की रात्रि 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न मार्गों पर भारी एवं हल्के वाहनों के लिए रूट परिवर्तित किए हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार मुरादाबाद से सम्भल होकर दिल्ली जाने वाले भारी वाहन चौधरी सराय चौकी से खिरनी कट होते हुए गंगा एक्सप्रेसवे के रास्ते अपने गंतव्य तक जाएंगे। वहीं मुरादाबाद से चन्दौसी होकर दिल्ली, अलीगढ़ एवं आगरा जाने वाले भारी वाहनों को बहजोई-धनारी-इन्द्रा चौक बबराला-नेहरू चौक गुन्नौर-नरौरा पुल मार्ग से होकर भेजा जाएगा। बदायूं से चन्दौसी होकर दिल्ली, अलीगढ़ एवं आगरा जाने वाले भारी वाहनों का आवागमन भी बहजोई-धनारी-इन्द्रा चौक बबराला-नेहरू चौक गुन्नौर-नरौरा पुल मार्ग से कराया जाएगा। इसी प्रकार इस्लामनगर बदायूं रोड से बहजोई होकर दिल्ली एवं अलीगढ़ जाने वाले वाहनों के लिए भी यही वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने चौधरी सराय चौराहा सम्भल से सैदनंगली-हसनपुर-गजरौला मार्ग पर सभी प्रकार के भारी व्यवसायिक वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा केसरपुर तिराहा से टी-प्वाइंट चौकी अनूपशहर तथा इन्द्रा चौक बबराला से जिन्जौड़ा टी-प्वाइंट चौकी की ओर भारी वाहनों का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि गंगा स्नान के लिए आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को सुचारु रूप से संचालित किया जाएगा। हल्के वाहनों जैसे जीप, कार, पिकअप एवं छोटा हाथी आदि के लिए भी 24 मई की शाम 6 बजे से 26 मई की रात्रि 12 बजे तक विशेष डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। प्रशासन ने बताया कि 24 मई दोपहर 12 बजे से 26 मई रात्रि 12 बजे तक अनूपशहर की ओर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहनों को केसरपुर तिराहा-रजपुरा-नूरपुर तिराहा-इन्द्रा चौक बबराला-नेहरू चौक गुन्नौर-नरौरा पुल मार्ग से होकर निकाला जाएगा। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि आवश्यकता पड़ने पर डायवर्जन व्यवस्था में परिवर्तन किया जा सकता है।

एनसीआर में उद्योगों और होटलों को बड़ी राहत, अभी कर सकेंगे वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल; सीएक्यूएम ने तीसरी बार बढ़ाई छूट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के इलाकों में काम करने वाले उद्योगों, होटलों और रेस्टोरेंटों के लिए राहत भरी खबर है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक आदेश जारी कर स्वीकृत ईंधनों की सूची में दी गई ढील को और एक महीने तक बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक पश्चिमी एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण मार्च 2026 की शुरूआत से ही गैस की वैश्विक आपूर्ति बाधित चल रही है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आठ मई को सीएक्यूएम को सूचित किया है कि दिक्कत अभी भी बनी हुई है। वैकल्पिक ईंधनों के अस्थायी इस्तेमाल की अनुमति "नेचुरल गैस (सप्लाई रेगुलेशन) आर्डर 2026" के तहत फिलहाल गैर- प्राथमिकता वाले क्षेत्रों (जैसे औद्योगिक और वाणिज्यिक पीएनजी उपभोक्ताओं) को भी सिर्फ आंशिक रूप से ही गैस की सप्लाई मिल पा रही है। गैस संकट के चलते उद्योगों का काम प्रभावित न हो, इसके लिए सीएक्यूएम ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की सलाह पर उद्योगों, होटलों, रेस्टोरेंटों और अन्य प्रतिष्ठानों को वैकल्पिक ईंधनों के अस्थायी इस्तेमाल की अनुमति दी है। इनमें हाई स्पीड डीजल, बायोमास, आरडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) पैलेट्स शामिल हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि ये वैकल्पिक ईंधन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हों, तो सीमित अवधि के लिए कोयले और केरोसिन का उपयोग भी किया जा सकता है। गौरतलब है कि आयोग ने सबसे पहले 13 मार्च 2026 को एक महीने के लिए यह अंतरिम व्यवस्था लागू की थी। इसके बाद भी स्थिति में सुधार न होने पर 15 अप्रैल 2026 को इसे बढ़ाकर 13 मई तक किया गया था। अब सीपीसीबी की ताजा सिफारिशों और मौजूदा संकट को देखते हुए इस छूट को एक बार फिर बढ़ाकर मध्य जून अथवा अगले आदेश तक के लिए विस्तार दे दिया गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में 'भट्टी' जैसे तपे यात्री, एसी पड़ा ठप; दिल्ली-पुणे फ्लाइट में 3 घंटे तक फंसे रहे

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस (वायु इंडिया एक्सप्रेस) की उड़ान संख्या आईएक्स-1230 में सवार यात्रियों को उस समय बेहद कड़वे अनुभव से गुजरना पड़ा, जब तकनीकी खराबी के कारण विमान का एयर-कंडीशनिंग सिस्टम ठप हो गया। आरोप है कि दिल्ली से पुणे जाने वाली इस उड़ान के यात्री काफी देर तक उमस और दमघोंटू गर्मी के बीच विमान के भीतर ही फंसे रहे।यह उड़ान मंगलवार सुबह 4:40 बजे रवाना होने वाली थी। यात्रियों को सुबह 4:20 बजे ही बोर्डिंग कराकर विमान में बिठा दिया गया था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण विमान सुबह 7:45 बजे के बाद ही उड़ान भर सका। कभी बंद तो कभी चालू हो जात था एसी यात्रियों के मुताबिक, इस दौरान विमान के अंदर का एसी लगातार बंद और चालू हो रहा था, जिससे केबिन हीट चैंबर यानी भट्टी की तरह तप रहा था। एक्स पर पराग नामक यूजर ने जो इस विमान में सवार थे, उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए पोस्ट किया कि बिना एसी के घुटन भरे केबिन में एक घंटे बिठाने के बाद घोषणा की गई कि विमान वापस बे में जा रहा है। यात्री बोले- सांस लेना तक दूभर हो गया कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही थी। वहीं सौरभ नामक यात्री ने बताया कि विमान के अंदर सांस लेना दूभर हो गया था और एयरलाइन की तरफ से कोई सही अपडेट नहीं मिल रहा था। उधर, मामला बढ़ने पर एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी कर खेद जताया। एयरलाइन ने कहा कि बोर्डिंग के बाद तकनीकी खराबी का पता चला था। इंजीनियरिंग टीम ने इसे ठीक किया और यात्रियों के लिए वैकल्पिक (ग्राउंड-बेस्ड) एसी की व्यवस्था की गई थी। हालांकि, यात्रियों का कहना है कि यह नाकाफी था और एयरलाइन को इस भारी लापरवाही की जवाबदेही तय करनी चाहिए।

फिल्म 'आखिरी सवाल' का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है।' त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, 'इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने 'आखिरी सवाल' में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है।
समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, 'मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे।'
अभिनेत्री ने अपने किरदार 'डॉ. पल्लवी' के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।'

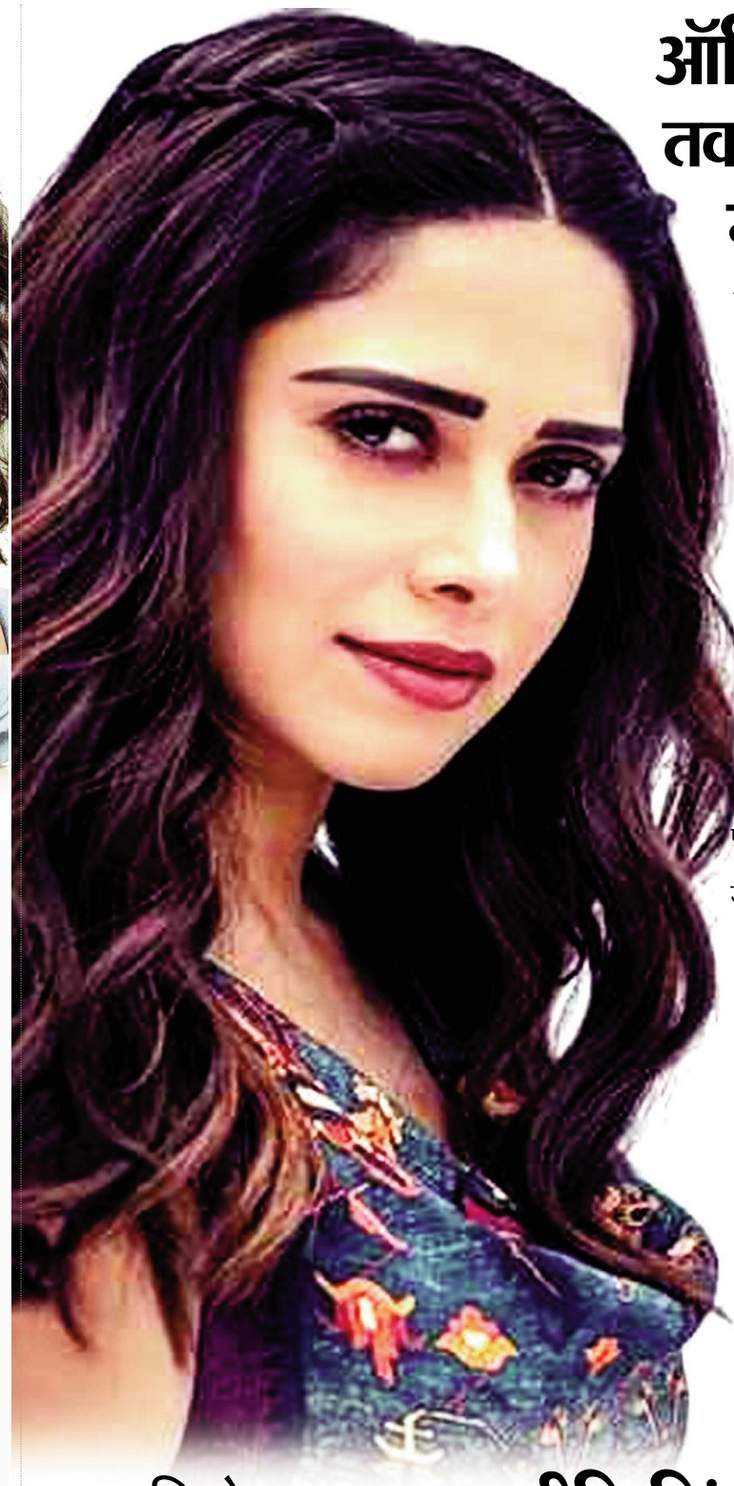

ऑडिशन की लाइन से स्टारडम तक, प्यार का पंचनामा ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा को बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया।
साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी। नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला।
जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह फिल्म हिट साबित हुई और यहीं से नुसरत को असली पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' में भी काम किया। यह भी बड़ी सफल साबित हुई।
आगे चलकर 'सोनू के टीटू की स्वीटी' फिल्म ने उन्हें और भी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद नुसरत ने 'ड्रीम गर्ल', 'जनहित में जारी', 'राम सेतु', 'सेल्फी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों में भी काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई रिजेक्शन देखे, ऑडिशन दिए और संघर्ष किया, लेकिन हर बार खुद को बेहतर बनाया। आज नुसरत उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपने दम पर सफलता हासिल की है।

क्या क्रिकेटर तिलक वर्मा को डेट कर रहीं हैं श्रीलीला

अभिनेत्री श्रीलाला इन दिनों कार्तिक आर्यन के साथ अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। मगर, फिलहाल वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। मुंबई इंडियंस टीम के क्रिकेटर के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है। यूं तो पहले भी इन दोनों के अफेयर की अफवाहें आती रही हैं, मगर एक वायरल वीडियो के बाद एक बार फिर लोग अटकलें लगा रहे हैं। श्रीलीला का नाम जिस क्रिकेटर से जोड़ा जा रहा है, वे हैं तिलक वर्मा। उनके और श्रीलीला के अफेयर की अफवाहें एक वायरल वीडियो से शुरू हुईं। हालांकि, इस वीडियो में श्रीलीला और तिलक वर्मा साथ नजर नहीं आए। श्रीलीला की तो वीडियो में झलक तक नहीं दिखी। वीडियो में सूर्य कुमार यादव हैं और गौतम गंभीर दिखे। मगर, सूर्यकुमार यादव ने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद अचानक श्रीलीला का नाम तिलक वर्मा के साथ जोड़ा जाने लगा।

प्रीति जिंटा की इन बातों से प्रभावित हैं सोनम बाजवा

एक्ट्रेस सोनम बाजवा अपनी नई पंजाबी फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने आईपीएल सीजन के दौरान टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट किया है। उन्होंने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से हुई मुलाकात के बारे में बात की है और तारीफ की है। सोनम बाजवा को आईपीएल 2026 के कई मैचों में पंजाब किंग्स के लिए चीयर करते देखा गया है।

प्रीति जिंटा पर सोनम ने रखी अपनी बात

सोनम बाजवा ने प्रीति जिंटा को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रीति के बारे में बात करते हुए, सोनम ने का 'वह उन सबसे खूबसूरत और हसीन महिलाओं में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। मैंने उनकी पहली फिल्म से ही उन्हें फॉलो किया है। एक एक्ट्रेस के तौर पर उनका सफर देखा है। अब, मैं एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर भी उनका सफर देख रही हूं। वह आईपीएल टीम को लीड कर रही हैं। यह सचमुच प्रेरणादायक है।'

टैबू टॉपिक्स पर काम नहीं करना चाहते आयुष्मान खुराना?

अब चुनेंगे फैमिली सब्जेक्ट्स

'शुभ मंगल सावधान' में इरेक्टाइल डिसफंक्शन हो या आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म 'विकी डोनर' में स्पर्म डोनेशन, आयुष्मान ने हमेशा अलग और बोल्ड विषयों को चुना। उनकी इन फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब इस मामले पर एक्टर ने बयान दिया है।

मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं

अब इन सब फिल्मों के बाद आयुष्मान का नजरिया थोड़ा बदल गया है। अब वह ऐसी फिल्मों पर फोकस करना चाहते हैं, जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके और जो ज्यादा ज्यादा लोगों से जुड़ सकें। हाल ही में द राइट एंगल दो दिए इंटरव्यू के दौरान जब आयुष्मान से पूछा गया कि वह आगे किस टैबू सब्जेक्ट पर फिल्म करना चाहेंगे, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं। मैंने ऐसे कई विषयों पर फिल्में की हैं। लेकिन इससे फैमिली ऑडियंस थोड़ी लिमिट हो जाती है। कोविड महामारी से पहले मैंने इस तरह की कई फिल्में कीं। उसके बाद मैंने 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्में भी कीं, लेकिन उन्हें बॉक्स ऑफिस पर वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला जैसा मुझे उम्मीद थी।'

कोविड के बाद चीजें बदल गईं

हालांकि आयुष्मान का कहना है कि इससे उनके बोल्ड चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने आगे कहा, 'ओटीटी के बड़ा होने के बाद मैंने ऐसी फिल्मों पर ध्यान देना शुरू किया जो ज्यादा लोगों तक पहुंच सकें। अब मैं ऐसे रिलेटेबल सब्जेक्ट्स चुनना चाहता हूं जिन्हें लोग परिवार के साथ बैठकर देख सकें। महामारी से पहले सब कुछ अलग था। उस समय मेरी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिलता था, लेकिन कोविड के बाद चीजें बदल गईं।'

आयुष्मान खुराना का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान खुराना की हालिया रिलीज 'पति पत्नी और वो दो' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे पहले दिन औसत ओपनिंग मिली। आने वाले समय में वह 'यह प्रेम मोल लिया' और 'उड़ता तीर' में नजर आएंगे।

मैं अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूं

पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। 'बिजली बिजली' गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने के बाद 'भूतनी' में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'लुक्खे' की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं।
ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी-मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां-बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।'

मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती

'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे।' अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहती हैं, 'मैं जैसे जैसे बड़ी होती जा रही हूं, अपनी मम्मी में मिलने लगी हूं। मेरे आस -पास के लोग भी यही कहते हैं, तो मैं चाहती हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा अपनी मां जैसी बनूं। मैं अपनी मम्मी की तरह बन रही हूं और मेरी मम्मी अपनी नानी की तरह।'

लक के साथ मेहनत जरूरी

पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, 'हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब-सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।